

शहरवासियों ने एग्जीबिशन को सराहा

फेशन पिटारा का आयोजन उदिती तुलस्यान व निकिता ने संयुक्त रूप से किया था। उन्होंने बताया कि दूसरे दिन महिलाओं की अच्छी भीड़ रही। देर शाम तक महिलाओं का आना-जाना लगा रहा। यहां हर प्रकार के नए-नए डिजाइन वाले उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराए गए थे। एक्जिबिशन में वेस्टर्न वेयर, रियल ज्वेलरी, डिजायनर साड़ी, सूट और साज-सज्जा की एक से बढ़कर एक सामग्री उपलब्ध कराए गए थे। शहरवासियों ने एग्जीबिशन को खूब सराहा।

तुरंत मिले इलाज तो चल पड़ता है दिल

डीबी स्टार » रांची

कई बार शरीर में अचानक हुई कांप्लीकेशन के कारण हृदय काम करना बंद कर देता है। यदि उसे तुरंत ट्रीटमेंट मिल जाए तो मरीज जी उठता है, नहीं तो सांसों हमेशा के लिए बंद ही रह जाती हैं। ऐसे केसेज में ट्रीटमेंट तुरंत शुरू करना जरूरी होता है। ये जानकारी क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ डॉ. विजय मिश्रा ने शुक्रवार को मेडिका हॉस्पिटल में आयोजित वर्कशॉप में दी। तीन दिवसीय एडवांस्ड कार्डियक लाइफ सपोर्ट विषयक वर्कशॉप में उन्होंने बताया ब्रेन स्ट्रोक, अचानक सांस रुकना, एक्सीडेंट, हृदयाघात आदि किसी भी केस में ऐसा हो सकता है। तुरंत प्रशिक्षित हाथों द्वारा उपचार प्रारंभ



कर मरीज का जीवन रक्षण संभव हैं। इसमें कार्डियक मसाज देना, ब्रीदिंग रेस्पिरेशन, शॉक देना आदि की विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में कोलकाता के डॉ. सुदेशना बरुआ समेत कई अन्य विशेषज्ञों ने भी जानकारी दी। वर्कशॉप में शहर के 38 हृदय रोग विशेषज्ञ, सामान्य चिकित्सक व सीनियर नर्स भाग ले रही हैं। तीन दिवसीय इस वर्कशॉप में टीम वर्क वाले ट्रीटमेंट की पूरी जानकारी दी जाएगी।

से घरवालों की परेशानी बढ़ जाती है।

बच्चे हैं जुड़वां बच्चे

स्पताल की सीनियर

जिस्ट डॉ. सुमन

सिन्हा के

अनुसार

जुड़वां बच्चों

का इंटीडेंस

बहुत कम

र के होते

टिक

का

बच्चे वे होते हैं

और एक ओवम

के बाद जो

समें भी अगर

जीजन हुआ

से नहीं होते,

अंदर हुआ

। ये एक

ते हैं।

एक

साथ

लिया। बार-बार
के लिए बाहर से
दौरान उन्होंने खुद
कर लिए। 2007
उन पर पड़ी। सिं
और ज्वाइंट क
से प्रभावित होव
सॉफ्टवेयर से बे
परीक्षा के रिज
कहानी रविंद्र
पीछे मुड़कर
लोगों की सर्
हैं, बल्कि
ऑफिसर्स र
के प्रोविडेंट
बनाए हैं।
निर्माण में
गरीबी के
कर्मचारी
दूसरी व
और ब
कि वह
वांटेड
में अ
में अ
जहर
अधि
जा
की
से
में
व